بسم الله الرحمن الرحيم

जुम्मा खुतुबाह

HADHRAT MUHYI-UD-DIN AL-KHALIFATULLAH

Munir Ahmad Azim

20 October 2017

(29 Muharram 1439 AH)

अपने सभी चेलों ,सभी नए चेलों सहित (और दुनिया भर के सभी मुसलामानों) को शांति का अभिवादन करने के बाद ,हज़रत ख़लीफ़तुलाः (अ त ब अ) तशहुद ,तौज ,सुरा अल फ़ातिहा पढ़ा और फ़िर आपने "मंगलाचरण (भाग 4)" पर उपदेश दिया:

अल्हम्दुलिल्लाह सुंम्मा अल्हम्दुलिल्लाह, यह अल्लाह की कृपा से विशुद्ध रूप से है कि मैं " दुवाओं " के विषय पर आज मेरे उपदेश को जारी रखने में सक्षम हूँ , और अधिक विशेष रूप से दुवाओं के विषय पर चौथे उपदेश के रूप में अल्लाह (सु व त) ने मुझ पर प्रकट किया। क्या आश्चर्यजनक है कि इन दुवाओं को पवित्र कुरान में भी पाया जा सकता है, इस तरह कि दुवाएं जो अतीत में अपने दूतों को प्रकट हो चूका है , और वहाँ और भी कुछ दुवाओं का मैंने उल्लेख किया है जो अल्लाह (सु व त) ने हज़रत मसीह -ए -मौऊद को भी प्रकट किया है । लेकिन इस वर्तमान युग में भी अल्लाह (सु व त) ने इन दुवाओं को फिर से अपने ख़लीफ़तुलाः पर प्रकट किया |

अल्हम्दुलिल्लाह , अगर मैं गलत हूँ , एक झूठा , तो क्या अल्लाह ने मुझे इन दुवाओं से नवाज़ा होगा ? इन दुवाओं के बारे में मेरे दुश्मन क्या कह सकते हैं? क्या ये शैतानी भी हैं ? (अल्लाह न करे) । और अगर वे उन्हें शैतानी के रूप में लेबल लगाते है, तो पवित्र कुरान पर उनके विश्वास को भी रौंद दिया गया है और वे पवित्र कुरान पढ़ने के लायक नहीं हैं । उनकी मूर्खता से जब वे मुझे अपमानित करते है , वे एक ही समय में पवित्र कुरान की शिक्षाओं को भी धूल में रौंद देते है ।

पवित्र कुरान में एक दुवा है जिसमें उल्लेख किया है: (हे मेरे प्रभु) पृथ्वी पर कोई गैर आस्तिक को नहीं छोड़ना ।

इन दुवाओं के माध्यम से हम समझते हैं कि जिन लोगों की किस्मत में खुदा बेवफाई (अविश्वास) रखता है, वे इस (यानी अविश्वास की इस शर्त, और बाद की सजा) से बच नहीं पाएँगे | लेकिन हमें इन दुवाओं को समझने की जरूरत है, कि यह सब काफिरों को विनाश करने कि कोई दुवा नहीं है , इसके लिए ऐसा किया गया, तो फिर आज भी कैसे कभी लोग मुसलमान बन सकते है ?

वास्तव में इसका मतलब यह है कि (हे अल्लाह) सभी लोग जिनकी किस्मत में लिखा है कि वे अविश्वासी हैं, उन्हें इस दुनिया से निकाल दें और इस दुवा को हजरत णुः (अ स) ने सही मायने में समझाया । अब ये काफिर अपने जैसे अविश्वासी बच्चों का उत्पादन कर सकते हैं । इसलिए, यह सबसे अच्छा होगा (यदि अल्लाह) उन्हें हटाने दे। यह हजरत णुः (अ स) का दुवा था ।

अतः मेरे मामले में, मेरी स्थिति में , जब निजाम-ए-जमात के तथाकथित रक्षकों ने दिव्य संदेशों के विषय पर काफिरों की तरह काम किया जो मुझे प्राप्त हो रहा है, अल्लाह (सु व त) ने मुझे यह दुवा दिखाया:

<u>“रब्बीज अलनी ग़ालिबन अला घेरि”</u>

हे मेरे प्रभु, मुझे जो मेरे लिए अजनबी है उन पर विजय दे ।

और बाद में , वहाँ यह दूसरा रहस्योद्‌घाटन दिखाया जो मेरी जीत और अल्लाह ने मेरे दुवा को स्वीकार किया है।

<u>“वजलनि घालेबतन फित-दुनिया वद-दीन”</u>

सांसारिक मामलों और साथ ही आध्यात्मिक कार्यों में मुझे विजय प्रदान कर ।

<u>“वजलनि नाफ़े -अन फि -हजेहित तेज़ारा”</u>

ओ अल्लाह इस लेनदेन को मेरे लिए लाभदायक बनाओ |

यहाँ , इस दुवा में सांसारिक लेनदेन का संकेत नहीं है । लेकिन कुरान में ' अज़ाबीन अलीम ' (दर्दनाक सजा) का उल्लेख है । यह उस दुवा को खुद संदर्भित करता है (यानी इस तरह का लेनदेन जो मुझे दर्दनाक सजा से बचाता है) ।

<u>“रब्बी सालितनि एलन -नार”</u>

हे मेरे प्रभु , मुझे आग की सजा पर श्रेष्ठता (ऊपरी हाथ की विजय) प्राप्त करा, यानि आग को मेरी आज्ञा का पालन करने हेतु बनाओ |

वहाँ जबूर में एक दुवा (डेविड के भजन) यह हिब्रू भाषा में है और जो पवित्र मैथ्यू में भी उल्लेख किया गया है (एक किताब/ बाइबिल का पाठ) | इसका अनुवाद इस प्रकार है: हे अल्लाह, मैं प्रार्थना करता हूं कि आपके उद्धार में कोताही हो और कठिनाइयों से उद्धार हो ।

यह दुवा रूप में की गई भविष्यवाणी है । इसलिए, वहाँ कई ऐसे दुवाओं जो अल्लाह (सु व त) ने मुझे निर्देशित भी किया है, उसके महान ज्ञान से, उसने मुझे पर इस दुवा को भी प्रकट किया है: हे मेरे प्रभु , मुझ पर प्रकट हो , मुझ पर प्रकट हो ।

और फिर उन्होंने (अल्लाह) मुझे इस दुवा को दिखाया:

“अल्लाहुम्मा इन अहलाक्त हादी हिल - ईसा बत फलन तुह्बद फिल अर्दी अबद”

हे मेरे प्रभु! अगर तुम अपने सेवकों को इस लड़ाई में मरने दो, बाद में कोई भी तुम्हारी स्तुति करने के लिए नहीं छोड़ा जाएगा ।

यह वो दुवा है जो हजरत मुहम्मद (स अ व स) ने अल्लाह को बदर की लड़ाई से पहले किया था | हे मेरे प्रभु! अगर तुम अपने सेवकों को इस लड़ाई में मरने दो, बाद में कोई भी तुम्हारी स्तुति करने के लिए नहीं छोड़ा जाएगा (एक असली प्रशंसा) | और इस सच्ची दुवा को , मैं अपनी जमात को सिखा रहा हू और तुम सब को पढने के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूँ: हे मेरे प्रभु! यदि आप इस जमात को नष्ट करना चाहें (जिसने परमात्मा की अभिव्यक्ति की और इस युग में आप द्वारा इस विनंर सेवक को भेजा गया) को मांयता दी है ? बाद में कोई भी तुंहें प्रशंसा करने के लिए नहीं छोड़ा जाएगा और आपको धंयवाद की आप इस पक्ष में जो आप इस युग में हम पर कोताही कर रहें है।

इसलिए किसी भी जमात में लोगों की संख्या के हिसाब से न्याय नहीं होता है या फिर उसके नाम पर कंक्रीट मस्जिदों की संख्या, या फिर किसी अन्य सांसारिक पक्ष का भी । अल्लाह की जमात का न्याय ईमान (विश्वास) जो अल्लाह पर है और दूत जिसे (दुनिया के लिए) उसने भेजा है। यह झूठे देवताओं के साथ संलग्न ही नहीं करता है । यह सब कुछ अपने रब (भगवान) के सुख की तलाश करते है । इसका सच्चा सुख इसके रचयिता में पाया जाता है और यह तो है कि वहाँ अल्लाह के लिए सच्ची इबाबत है | मस्जिदों को लोहे की चादरों या तिनकों से बना सकते हैं जिस तरह अतीत में, हजरत मुहम्मद (स अ व स) के युग में, लेकिन ईमान (विश्वास) तो कंक्रीट के ठोस रूप से पाया जाना चाहिए | महान कंक्रीट मस्जिद होने का क्या उपयोग है, कुरान के छंदों से सजाया है, जबकि ईमान (विश्वास) पुआल के रूप में सूखा है । मस्जिदों के इस प्रकार के जो सूखी शाखाओं, सूखे पत्ते की तरह जैसे उखड़ जाती है उत्तरदाई हैं । इस तरह की मस्जिदों के होने का क्या फायदा है लेकिन जो उपासक के खाली हैं, जिससे उनमें से अधिकांश सांसारिक असुरों के पीछे चल रहे हैं? कुरान के श्लोकों को मस्जिदों में सजावट के रूप में इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए। क्या ही अधिक महत्वपूर्ण यह है कि कुरान के छंद अपने दिल में प्रवेश करने चाहिए और उसी समय में आप उन्हें व्यवहार में डाल दें, साथ ही अल्लाह (सु व त) द्वारा दुवाएँ हमें सिखाये गए हैं |

इसलिए किसी जमात को अपनी आध्यात्मिक प्रगति से आंकना चाहिए, ऐसी प्रगति जो लोगों के दिलों में घृणा पैदा किए बिना की जाती है यह दिखाने के लिए कि वह औरों से बेहतर है।

अब, मैं आपके सामने कुछ दुवाएँ रखूगां जो हज़रत मसीह मौऊद (अ स) ने अल्लाह (सु व त) से किये और जो मुझे भी वर्ष २००३ और २००४ में प्राप्त हुआ है, और जिसे मैं आपके सामने आज रख रहा हूँ।

<u>“रब्बे अर्ज़ेहो जज़ा- अन अवफ़ा”</u>

हे मेरे प्रभु, उसे सभी प्रकार के पुरस्कार दे ।

इस दुवा में 'उसे' शब्द का तात्पर्य व्यक्ति की पत्नी से है:

<u>“रब्बे अहसान ज़ौजति”</u>

हे मेरे प्रभु, मेरी पत्नी को स्वास्थ्य दे ।

<u>“रब्बिश फि ज़ौजति हाज़ा वाजलहा बरकातिन फ़ीस -समानि व बरकातिन फिल अर्ज़”</u>

हे मेरे प्रभु, मेरी इस पत्नी को स्वास्थ्य दे और उसे आशीर्वाद दे पृथ्वी पर और साथ ही स्वर्ग में।

<u>“रब्बे जिदनी उमरी व उमरा ज़ौजति ज़याद -अतन उमरा हाज़ा”</u>

ओ मेरे अल्लाह (हे मेरे प्रभु), मेरे जीवन की अवधि में वृद्धि और मेरी पत्नी की अवधि में भी ।

<u>“रब्बे ला तो जाइये उमरी व उमराह फफाजनी मिन कुल्ली आफ़ातिन”</u>

हे मेरे प्रभु (हे अल्लाह) मेरी ज़िंदगी को व्यर्थ न करें और यह मेरी पत्नी की है और हम सभी संकटों से आश्रय करते हैं और मुझे उन सभी समस्याओं से बचा दें जो मेरे रास्ते आ सकते हैं। अमीन।

इसलिए, इन दुवाओं को जो एक पति अपनी पत्नी के लिए हर रोज कर सकता है और यह घर में शांति और सद्भाव भी पैदा करेगा ।

प्रार्थना करें (अल्लाह का आह्वान करें)-अल्लाह (सु व त) से दुवाएं करो जैसे कि आप उसे अपने सामने देख रहें हों और अपने दिल की गहराई से अपने दुवा को बाहर लेकर आओ न केवल होठों पर जिससे आपका मन चारों ओर घूम रहा है और अल्लाह के अलावा दूसरी बातों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है । जब अल्लाह (सु व त) किसी व्यक्ति की दुवा से प्रसन्न होता है तो वह उसे स्वीकार कर लेता है । जब अल्लाह

(सु व त) किसी व्यक्ति की दुवा को स्वीकार करता है , तो यह अपने आप में एक बड़ा चमत्कार है । जब कोई दुर्भाग्य का शिकार हो जाता है/एक समस्या है, उसका दिल दर्द से भर जाता है, और अशांति के इस राज्य में, वह अपने प्रभु को पुकारता है, और उसका यहोवा उसे सुनता है । उस क्षण में, उसके हाथ परमेश्वर के हाथ बन जाते हैं ।

अल्लाह एक छुपे हुए खजाने की तरह है । वह लोगों के माध्यम से अपने चेहरे को दिखाता है जिससे वह खुश है और जिसे वह प्यार करता है । अल्लाह (सु व त) के लक्षण अपने लोगों को जिसे वह प्यार करता है उन पर विशेष रूप से दिखाई देते हैं , जो तपस्या की स्थिति में हैं । जब उनके दुख सीमा पार हो जाती है जिसे वे संभाल सकते है , तो आप को समझने की जरूरत है कि अल्लाह (सु व त) पास में है और हमेशा अपने संकेत प्रकट करने के लिए और अधिक जल्दी से तैयार होता है । जो लोग अल्लाह के लिए खुद को ज्यादा कुर्बान करते हैं, जैसे अपने बच्चे से प्यार करता है अल्लाह उनसे और अधिक ज्यादा प्यार करता है। अल्लाह अपने पक्ष में असाधारण संकेत प्रदर्शित करता है । वह ऐसा जोश दिखाता है जो एक जागृत शेर की तरह दिखता है ।

अल्लाह छिपा हुआ है और ये ऐसे लोग हैं जो स्वयं को प्रकट करते हैं वह जो हजारों घूंघट के पीछे है , और ये वो लोग हैं जो उसे दृश्यमान / प्रकट करते हैं|

हे विश्व भर में मेरे प्रिय शिष्यों, ऐसे लोगों जैसे बनो, जो उनके माध्यम से अल्लाह (सु व त) खुद को प्रकट कर सकता हैं, और जहां कहीं भी हो उनके साथ मौजूद रहें । ऐसे लोगों की तरह बनें और अल्लाह अपने पक्ष में असाधारण संकेत दिखाएगा और वह अपने संकेतों को प्रकट करेगा (आपके खातिर) और अधिक जल्दी, इंशा-अल्लाह ।

मैं तुंहें एक उदाहरण देता हूँ । अल्लाह की कृपा से भारत में तमिलनाडु में हमारे भाई-बहन हैं जिन्होंने हाल ही में इस युग के इस विनम्र नौकर और दूत की सच्चाई को पहचाना है और उन्होंने बैअत (निष्ठा की शपथ) ली | इन भाइयों के बीच में मेरा प्रिय शिष्य **सलीम साहिब** है जिसने एक बहुत सुंदर सपना देखा जिसमें अल्लाह ने उसे अपने नबी (पैगंबर) के रूप में स्पष्ट रूप से अपनी सच्चाई दिखाई । उन्होंने बहुत सारे दुवाएँ देखने के बाद यह सपना साकार किया और उन्होंने अपने तहज्जुद की नमाज़ में खुद को बहुत समर्पित कर दिया |अल्हम्दुलिल्लाह , यह इस तरह है कि अल्लाह के एक सच्चे दास को करना चाहिए । अपने जीवन के सभी चरणों में, एक अल्लाह के सच्चे नौकर हमेशा अल्लाह की ओर मुड़ते हैं , खुशी के समय में या हो

दुर्भाग्य या उसके जीवन के किसी भी अन्य परिस्थिति में और वास्तव में अल्लाह एक ईमानदार दिल को कभी नहीं मना करता । मेरे शिष्य सलीम साहिब से संबंधित हैं:

"... लेकिन, मेरा मन बेचैन था और मैं अपनी तहज्जुद नमाज़ों में रोज़ रो रहा था । मैं निजाम -ए- जमात को अस्वीकार करने में सक्षम नहीं था, विशेष रूप से ख़लीफ़तुल मस्सिह पांचवीं।

मैंने धीरे से इंटरनेट के माध्यम से अपने शिक्षण का अध्ययन किया है और मेरे भाई **के. नज़ीर साहब से** [इस - अर्थात दैवीय अभिव्यक्ति] के बारे में चर्चा की ... [और वह कुछ अंय लोगों को सूचीबद्ध].. । उन्होंने शुरू में इस मुद्दे पर विरोध किया लेकिन कुछ दिनों बाद भी उन्हें आपके दावे की सच्चाई मिल गई | उनमें से कुछ ने सपने (के. नज़ीर साहब और जनाबा मुबीना) को देखा । फिर भी मुझे आपके साथ ज़फरुल्लाह डोमन साहिब (जफरुल्लाह डोमन शब) के मुद्दों के संबंध में संदेह हो गया...

इस बीच में मैंने एक सपना देखा, जहां आप एक नियंत्रण अधिकारी के रूप में मेरे कार्यालय में आ रहे है और मेरे सभी कार्यालय सहयोगियों के लिए एक बैठक का आयोजन किया । उस बैठक में मुझे आपको नियंत्रण अधिकारी के रूप में देखने पर बहुत गर्व महसूस हुआ और आपके बारे में मेरे सहयोगियों के लोगों ने मुझे बताने के लिए कहा ; मैंने कहा: " वे परमेश्वर का पैगंबर है" । फिर, फिर से वे पूछे , [और] मैंने कहा: " वे पूरी दुनिया के पैगंबर है|" उसके बाद मैंने आपसे ईमेल के जरिए मिलने का अनुरोध किया| "

[कृपया ध्यान दें, व्याकरण और विराम चिह्न के साथ हिंदी भाषा इस खूबसूरत प्रशंसापत्र के सही अर्थ को प्रतिबिंबित करने के लिए परिष्कृत किया गया था]

अल्हम्दुलिल्लाह, सुंमा अल्हम्दुलिल्लाह| ये सभी साधन हैं जिसके द्वारा अल्लाह गाइड करता है

जिसे उसके कर्मचारियों में से जिसे वह प्रसन्न करते हैं, जिससे वह चाहता है कि वे सही रास्ते पर चलें और अपने जीवन में सुधार करने के लिए संकल्प लेते रहें हैं और वे अपने जीवन में इस असाधारण आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और फलस्वरूप एक सच्चे लैला-तुल-क़द्र रहें। अल्हम्दुलिल्लाह|

इस सब के लिए हम अल्लाह को कभी भी पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकते ।

इसलिए, ध्यान रखें कि आप साधारण लोग नहीं है (आप अंय लोगों की तरह नहीं हैं) । जब आपके पास मान्यता है, तो आपके पास अल्लाह की कृपा और आशीष है

और अल्लाह के अपने खलीफा (खलीफातुल्ला) को स्वीकार किया , इस युग का उनका मसीहा। इस रहस्योद्घाटन पर प्रतिबिंबित-जब अल्लाह हमारे साथ है, तो सब कुछ हमारे साथ है ।

इंशा-अल्लाह, अल्लाह हमारे बीच हर एक को आशीर्वाद दे सकता है और आप सभी को दुवाएँ जीवन भर से जीवित बनाते हैं और विशेष रूप से जो दुवाएँ मैंने आप के सामने रख दिया है ।उन्हें सुशोभित करें और अपने

पत्नियों और बच्चों को भी पढ़ने और सुनने पर प्रोत्साहित करें, इंशा-अल्लाह। अल्लाह आप सभी को आशीर्वाद दे और आपकी मदद करे।

अपने संकल्प में ,आध्यात्मिकता में, अपना जीवन बदल कर और बेहतर बनाने के लिए। आपको अपनी आध्यात्मिकता को निखारने की जरूरत है इस्लाम की ओर , सहीह अल इस्लाम की ओर ताकि आप चमकदार रोशनी हो जिससे आप के माध्यम से भी, अल्लाह सही रास्ते के प्रति अंय लोगों को गाइड करे। इंशा-अल्लाह, अमीन ।